जनसंपर्क कार्यालय : एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

कंपनी की पारेषण क्षमता हुई 14100 मेगावाट – 262 प्रतिशत की वृद्धि

इम्पोर्ट कैपेबिलिटी की गणना करने वाला मध्यप्रदेश देश का दूसरा और पश्चिम क्षेत्र का पहला राज्य बना – श्री रवि सेठी

जबलपुर, 22 अगस्त। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री रवि सेठी ने कहा कि इस वर्ष भी कंपनी के कर्मियों की मेहनत, लगन और कार्य कुशलता के बल पर कंपनी ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। श्री सेठी ने कहा कि प्रदेश के अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की कुल ट्रांसफारमेशन क्षमता 50227 एमवीए, अति उच्चदाब लाइनों की कुल लंबाई 31751 सर्किट किलोमीटर एवं अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की कुल संख्या 321 हो गई है। वर्ष 2015-16 की अवधि में कंपनी गठन के पश्चात् 262 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ हमारी पारेषण क्षमता 14100 मेगावाट हो गई है। इस वर्ष 2015-16 में कंपनी में कुल 1169 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइन एवं उपकेन्दों की क्षमता में 3993 एमवीए की वृद्धि की है। वर्ष 2015-16 में कंपनी ने पहली बार एक वर्ष में 220 केवी के चार उपकेन्द्र तथा 132 केवी के 20 उपकेन्द्रों का निर्माण किया है। विगत 6 माह की अल्पावधि में भार प्रेषण केन्द्र द्वारा 50 नवीकरणीय उत्पादन केन्द्रों की टेलीमेट्री प्रारंभ की गई। पंजाब के बाद मध्यप्रदेश देश का दूसरा और पश्चिम क्षेत्र विद्युत प्रणाली का पहला राज्य बना जिसने अपने प्रान्त की इम्पोर्ट कैपेबिलिटी की गणना प्रारंभ की।

132 केवी टीकमगढ़-जतारा लाइन के विस्थापन का कार्य 90 दिन के लक्ष्य से पूर्व पूर्ण करने पर प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा सराहा गया है। इसके अलावा बुधनी में मेसर्स ट्रायडेंट द्वारा हवाई पट्टी निर्माण के कारण 5 टावरों का विस्थापन जबलपुर के निकट सगड़ा ग्राम में रेल्वे द्वारा ब्राडगेज रेल्वे ट्रेक, एनएचएआई के फोर लेन रोड निर्माण कार्य के लिए प्रशासन, कलेक्टर की मदद ली गई। राजगढ़ जिले में मोहनपुरा जलाशय के लिए 28 उच्चदाब टावरों का विस्थान एवं 41 नग नए टावरों का कार्य 4 माह से कम समय में किया गया।

श्री सेठी ने कहा कंपनी नई तकनीकों को अपनाने में हमेशा अग्रणी रही है। लाईन ब्रेक डाउन के समय को कम करने के उद्देश्य से कंपनी द्वारा नई तकनीकों- इमरजेंसी रिस्टोरेंशन सिस्टम, स्काफोलडिंग सिस्टम एवं इमरजेंसी लाइटिंग सिस्टम का समावेश इस वर्ष किया गया। इसी प्रकार भार प्रेषण केन्द्र द्वारा नए स्काडा सिस्टम का उपयोग 1 जुलाई से प्रारंभ किया गया है, इस सिस्टम में अत्याधुनिक सुविधाएं के साथ पहली बार एनर्जी मैनेजमेंट साफ्टवेयर भी रियल टाईम में क्रियाशील किया गया है जिससे रियल टाईम में लोड फ्लो स्टडी तथा कन्टिन्जेंसी एनालिसिस संभव हो पाएगा।

प्रबंध संचालक श्री रवि सेठी ने कहा कि इसके अतिरिक्त कंपनी के अब तक 44 सब स्टेशन, 07 अति उच्च दाब लाईनों एवं 10 कार्यालयों को आईएसओ 9001 प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। विगत वर्ष की पारेषण प्रणाली की उपलब्धता एमपीईआरसी द्वारा निर्धारित 98 प्रतिशत की तुलना में 98.20 प्रतिशत रही। कंपनी के गठन के समय पारेषण हानि 7.93 प्रतिशत थी जो गत वर्ष घटकर 2.88 प्रतिशत हो गई है। ट्रांसमिशन कंपनी का इतिहास लगातार नए कीर्तिमान रचने का है और इसी कारण से लोगों की हमसे अपेक्षाएं भी हैं।

आने वाले समय में हमें इसी प्रकार मेहनत से कई कार्य करने हैं, जैसे- गैरपारंपरिक ऊर्जा के उत्पादन के लक्ष्य की प्रप्ति हेतु 750 मेगावाट क्षमता के रीवा क्षेत्र एवं 250 मेगावाट क्षमता के सुवासरा क्षेत्र में बन रहे सौर ऊर्जा उत्पादन के प्रतिष्ठानों हेतु मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के परामर्श से 220/33 केवी के चार पूलिंग उपकेन्द्रों का निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

वर्ष 2016-17 हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा 4298.5 एमवीए ट्रांसफारमेशन क्षमता जिसमें 1102 एमवीए के 19 नए उपकेन्द्रों का ऊर्जीकरण, वर्तमान उपकेन्द्रों में 3296 एमवीए क्षमता वृद्धि एवं 1085 सर्किट किलोमीटर लाईनों का निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। श्री रवि सेठी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित ग्रीन एनर्जी कारिडोर स्कीम के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायोमास आधारित विद्युत उत्पादन संयंत्रों की स्थापना प्रस्तावित है जिनकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता कुल 5874 मेगावाट है।

कंपनी के लिए यह वर्ष उपलब्धियों भरा रहा है। उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ महाकुंभ पर्व में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु बधाई देते हुए कहा कि सिंहस्थ के दौरान जहां ट्रांसमिशन कर्मियों ने दन रात कड़ी मेहनत की वहीं मेला क्षेत्र में स्थापित अस्थाई स्काडा सिस्टम की मदद से विद्युत प्रदाय कर रहे फीडरों की निगरानी करने एवं समग्र जानकारी के उपयोग से मेला क्षेत्र में सुचारू एवं निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकी।

कंपनी अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति हमेशा सजग रही है। इस वर्ष हमने योजनाबद्ध तरीके से कार्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी के तहत 3-3 यूनिट के 2 टायलेट का निर्माण कराया। 75000 रूपए से कम पारिवारिक वार्षिक आय वाले विद्यार्थियों को नि:शुल्क वोकेशनल ट्रेनिंग भी हमने प्रदान की। कंपनी ने गत वर्ष विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थानों के 870 विद्यार्थियों को वोकेशनल ट्रेनिंग प्रदान कर अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

समाचार क्रमांक: 332/2016

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी